research in India is at a preclinical stage where basic science is the focus. On the basis of such basic research, these applications may then be tested first in bre-clinical animals models and subsequently in patients.

(c) Currently, the status of research into gene therapy is in an embryonic stage in our country. Significant progress in basic research into (1) Gene delivery systems for targetting therapeutic genes to particular tissues and (2) of animal models of human infectious diseases particularly relevant to India can be expected in the next 5-10 years. Progress in developing actual gene therapies for human trials can only be expected in the next 10-15 years. However, it should be noted that if gene based therapies for either infectious or inherited diseases reach the clinic anywhere in the world, it should be possible to use such therapies here also.

Separate cadres under Official Language Act in the Health Offices

2869. SHRI RAJ NATH SINGH:
SHRIMATI MALTI SHARMA:

Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether orders under section 4(4) of Official Language Act, 1963, were issued by the competent authority vide resolution No. I/20012/1/87-OL(AI) dated 30th December, 1998 (Item No. 11) for formation of separate cardes of officers engaged in translation work in subordinate Offices of Ministry;

(b) whether similar recommendations were also made in 21st meeting of Central Hindi Committee held on 2nd December, 1987;

(c) the action taken on these recommendations; and

(d) if not, reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI DALIT EZHILMALAI): (a) No, Sir. However, Resolution No. I/20012/1/87-OL(A 1) was issued on 30th December, 1998 by the Deptt. of Official Language (M.H.A.) for forming a separate cadre in subordinate offices for translation work where it is feasible and providing avenues for promotion to the staff where it is not feasible.

(b) Yes, Sir.

(c) and (d) Action to assess the feasibility to form a separate cadre for Hindi posts in subordinate offices of this Ministry has been initiated.

उत्तर प्रदेश में पल्स पोलियों की खुराक

2870. **श्री मुनव्वर हसन: क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

(क) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश के मुजफ्फर नगर, मेरठ, आज़मगढ़, जौनपुर, गाज़ीपुर और मऊ जिलों के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में पल्स पोलियों की खुराक उपलब्ध नहीं करवाई गई है?

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं, और

(ग) क्या सरकार उपरोक्त जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक उपलब्ध करवाने का प्रबंध करेगी?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री दलित एजिलमलाई): (क) से (ग) उत्तर प्रदेश में मुजफ्फर नगर, मेरठ, आज़मगढ़, जौनपुर, गाज़ीपुर और मऊ जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में दिसम्बर 1998, जनवरी एवं मार्च 1999 में पल्स पोलियो प्रतिरक्षण के तीन चरणों के दौरान पांच वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को पल्स पोलियो की खुराके दी गयी। इन जिलों द्वारा यथा सूचित कवरेज संबंधी सूचना विवरण में दी गई है।

विवरण

पल्स पोलियो प्रतिरक्षा के अन्तर्गत सूचित जिलावार कवरेज का प्रतिशत

जिला	ग्रामीण			शहरी		
	दिसम्बर-98	जनवरी-99	मार्च-99	दिसम्बर-98	जनवरी-99	मार्च-99
मुजफ्फर नगर	104%	108%	108%	136%	136%	123%
मेरठ	100%	108%	103%	141%	129%	133%
आज़मगढ़	102%	98%	95%	103%	100%	99%
जौनपुर	101%	99%	102%	107%	100%	105%
गाजीपुर	105%	93%	100%	106%	97%	90%
मऊ	102%	103%	105%	108%	108%	111%

स्वास्थ्य पर चाय का दुष्प्रभाव

2871. **श्री ओंकार सिंह लखावत:** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या चाय पीना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, यदि हां, तो क्या सरकार ने इस संबंध में कोई परीक्षण कराए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ख) क्या सरकार चाय पीने से स्वास्थ्य पर होने वाले दुष्प्रभावों से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री दलित एजिलमलाई): (क) और (ख) चाय स्वास्थ्य के लिए प्रत्यक्ष रूप से हानिकारक नहीं है। तथापि, भोजन के साथ चाय पीने से आयरन प्राप्त होना रूक जाता है और इसलिए आयरन की कमी वाले व्यक्तियों के लिए यह अच्छी नहीं है। यह तथ्य राष्ट्रीय रक्त-अल्पता नियंत्रण संबंधी दस्तावेज में शामिल किया गया है तथा रोकथाम कार्यक्रम और समुचित पोषण शिक्षा सभी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रदान की जा रही है।

यद्यपि, इससे आयरन प्राप्त होने में बाधा आती है फिर भी चाय में कई फ्लैवीनाइड्स होते हैं जो एंटीआक्सीडेंट्स के रूप में कार्य करते हैं और स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं।

Complaint against Nurisng Advisor in D.G.H.S.

2872. SHRI ANIL SHARMA: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there have been complaints against the present Nursing Advisor in Directorate General of Health Services, Department of Health, during the last three years;

(b) if so, the details thereof and the action taken thereon;

(c) whether Government propose to continue the present Nursing Advisor, despite these complaints; and

(d) by when Government propose to advertise the post of Nursing Advisor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI DALIT EZHILMALAI): (a) to (c) Some representations have been received against continuation of the present incumbent to the post of Nursing Advisor. These representations have been examined in the light of the extent Government orders and circumstances of the case. No final decision as yet has been taken by the Government to extend the deputation period of the present Nursing Advisor.